उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, मार्च 2012 (8वां दौर)*

इस लेख में मार्च 2012 में किए गए उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष दिए गए हैं तथा यह सर्वेक्षण इस शृखंला का 8वां दौर है। इस लेख में उत्तरदाताओं की सामान्य आर्थिक स्थिति संबंधी धारणा तथा उनकी वित्तीय स्थिति के आधार पर उपभोक्ताओं के विचार दिए गए हैं। इन आकलनों का विश्लेषण दो खंडों में किया गया है, नामतः एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति और एक वर्ष बाद की संभावनाएं।

सर्वेक्षण दर्शाता है कि निवल उत्तरों के आधार पर वर्तमान आर्थिक स्थितियों तथा अगले एक वर्ष की प्रत्याशा की स्थिति में गिरावट आई है। आधे से अधिक उत्तरदाताओं का इस दौर में भी मानना है कि वर्तमान आर्थिक स्थितियां और भविष्य की संभावनाएं अनुकूल हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं की धारणा थी कि परिवारों की स्थितियां बेहतर हुई हैं, हालांकि ऐसे उत्तरदाताओं के प्रतिशत में वृद्धि हुई है जो यह मानते हैं कि वर्तमान घरेलू स्थितियां सर्वेक्षण के पिछले दौर से खराब हुई हैं। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने आय में वृद्धि होने की सूचना दी, परंतु ऐसे उत्तरदाताओं के प्रतिशत में सर्वेक्षण के पिछले चार दौर से गिरावट आ रही है। अगले वर्ष आय में वृद्धि होने की प्रत्याशा के मामले में भी गिरावट की इसी तरह की प्रवृत्ति देखी गई है; हो सकता है कि इसने आगे और खर्च करने की मंशा को प्रभावित किया हो।

I. भूमिका

उपभोक्ता के विश्वास में होने वाले परिवर्तन में कारोबारी धारणा में बदलाव के माध्यम से वास्तविक आर्थिक कार्यकलापों को प्रभावित करने की क्षमता होती है। रिज़र्व बैंक विश्वास संबंधी मात्रात्मक जानकारी प्राप्त करने के लिए जून 2010 से तिमाही उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण करता आ रहा है। इसके 8वें दौर का सर्वेक्षण मार्च 2012 में किया गया।

II. नमूने की डिज़ाइन

सर्वेक्षण में छह महानगरों नामतः बेंगलुरु, चेन्नै, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली को शामिल किया जाता है। प्रत्येक शहर को तीन प्रमुख क्षेत्रों में बांटा जाता है और प्रत्येक प्रमुख क्षेत्र को तीन उप-क्षेत्रों में। प्रत्येक उप-क्षेत्र से लगभग 100 उत्तरदाताओं का यादृच्छिक चयन किया जाता है। सर्वेक्षण के प्रत्येक दौर में 5,400 उत्तरदाताओं का चयन किया जाता है (प्रत्येक शहर से 900 उत्तरदाता)। सर्वेक्षण के इस दौर में कुल 5400 अनुसूचियों में से 5,352 अनुसूचियों को आगे विश्लेषण के लिए उपयुक्त पाया गया।

III. सर्वेक्षण प्रश्नावली का ढांचा

सर्वेक्षण अनुसूची में लोगों की आर्थिक स्थितियों के बारे में विचार, घरेलू परिस्थितियों के बारे में विचार, कीमतों के स्तर के संबंध में धारणा, रोजगार की संभावना के बारे में धारणा, स्थावर संपदा की कीमतों से संबंधित गतिविधियों और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि की क्षमता के संबंध में गुणात्मक प्रश्न शामिल होते हैं।

IV. सर्वेक्षण के निष्कर्ष : मुख्य-मुख्य बातें

IV.1 आर्थिक स्थितियां

- लगभग 51 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आर्थिक स्थिति एक वर्ष पहले की तुलना में अनुकूल रहने की बात कही तथा लगभग 59 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अगले एक वर्ष आर्थिक स्थितियां अनुकूल रहेंगी(चार्ट 1)।

चार्ट 1: वर्तमान आर्थिक स्थितियों पर विचार

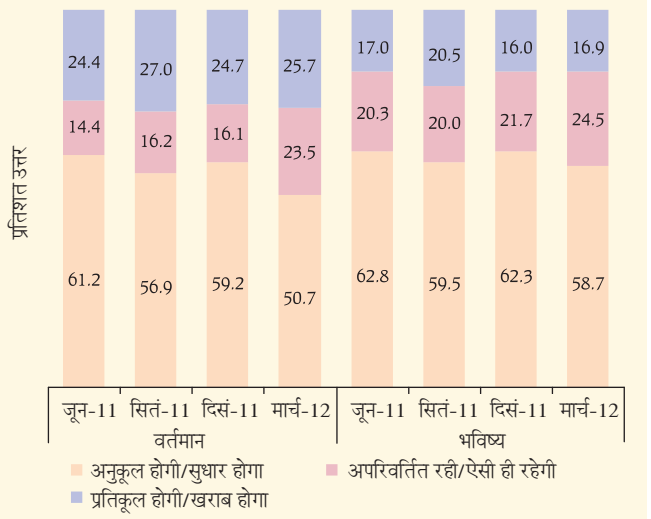

* नई दिल्ली के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग में तैयार किया गया। इस विषय पर पिछला लेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के फरवरी 2012 अंक में प्रकाशित किया गया था और सर्वेक्षण अनुसूची तथा विश्वास सर्वेक्षण के निर्माण की कार्यपद्धति रिज़र्व बैंक बुलेटिन के दिसंबर 2011 अंक में प्रकाशित की गई थी।

चार्ट 2 : आर्थिक स्थितियों पर निवल उत्तर

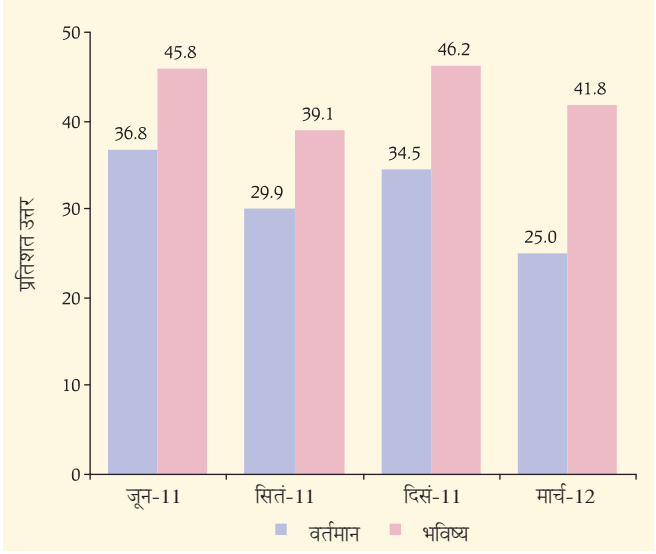

- उत्तरों में 'अनुकूल' से 'कोई परिवर्तन नहीं' (तटस्थ) की ओर बदलाव है। इस बदलाव के कारण आर्थिक स्थितियों से संबंधित निवल उत्तर में गिरावट आई (चार्ट 2)।

IV.2 घरेलू परिस्थितियाँ

- यद्यपि अधिकांश उत्तरदाताओं की धारणा थी कि घरेलू परिस्थितियां बेहतर हुई हैं, फिर भी उन उत्तरदाताओं के अनुपात में वृद्धि हुई है जिन्होंने वर्तमान घरेलू परिस्थितियां खराब होने की बात रिपोर्ट की (चार्ट 3)।

चार्ट 3: एक वर्ष पहले की तुलना में घरेलू परिस्थितियों के बारे में धारणा

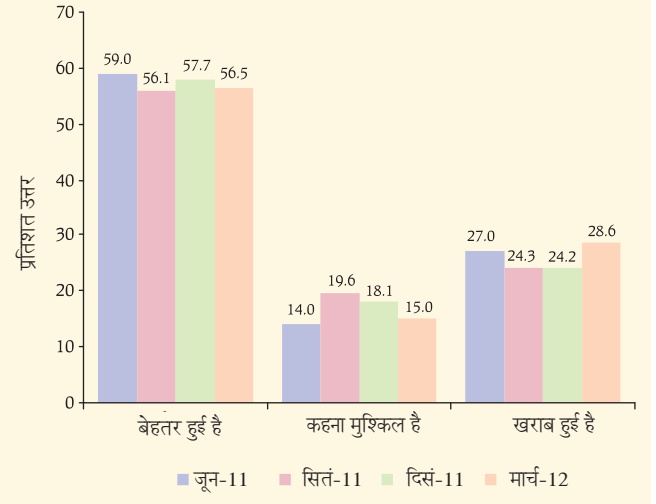

चार्ट 4 : घरेलू परिस्थितियों पर निवल उत्तर

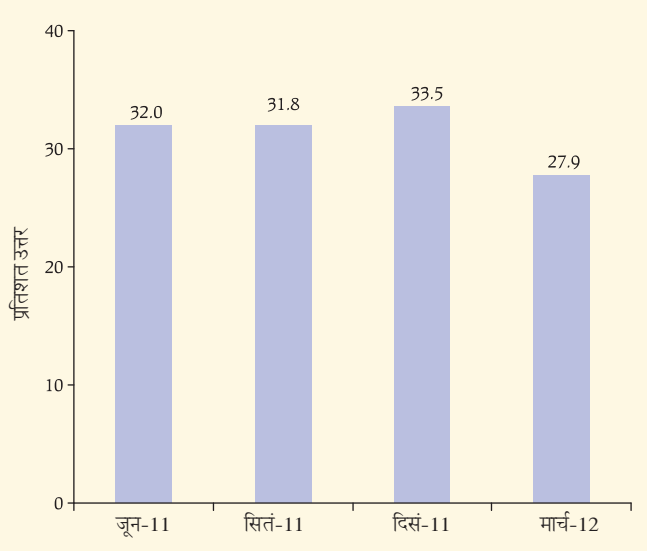

- इसके परिणामस्वरूप घरेलू परिस्थितियां संबंधी निवल उत्तर में कुछ हद तक गिरावट आई (चार्ट 4)।
- जो उत्तरदाता घरेलू परिस्थितियों में एक वर्ष पहले की तुलना में बदलाव (बेहतर/खराब) की संभावना देखते थे उनमें से लगभग 85 प्रतिशत ने घरेलू परिस्थितियों में बदलाव होने का कारण 'वेतन तथा कारोबारी आय' बताया (चार्ट 5)। घरेलू परिस्थितियों में बदलाव के अन्य महत्त्वपूर्ण कारकों में 'मूल्य का स्तर', 'ब्याज तथा लाभांश आय', 'आस्तियों के मूल्य' तथा 'स्थावर संपदा की बिक्री से आय' थे।

चार्ट 5: घरेलू परिस्थितियों में बदलाव के प्रमुख कारक

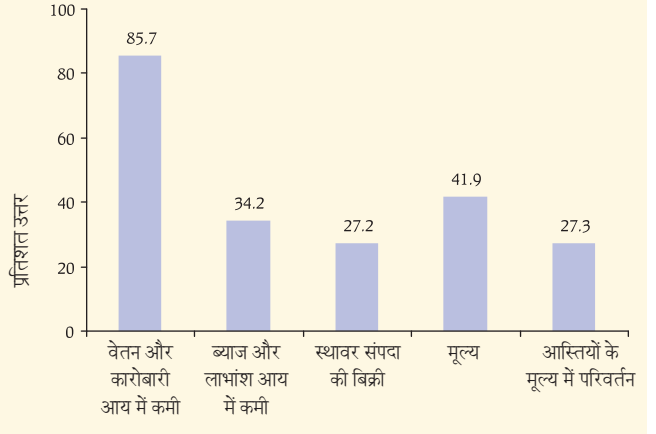

टिप्पणी: चूंकि उत्तरदाता कई कारक बता सकते हैं, अतः कारकों से संबंधित कुल प्रतिशत 100 से अधिक हो सकता है।

चार्ट 6 : आय के संबंध में धारणाएं

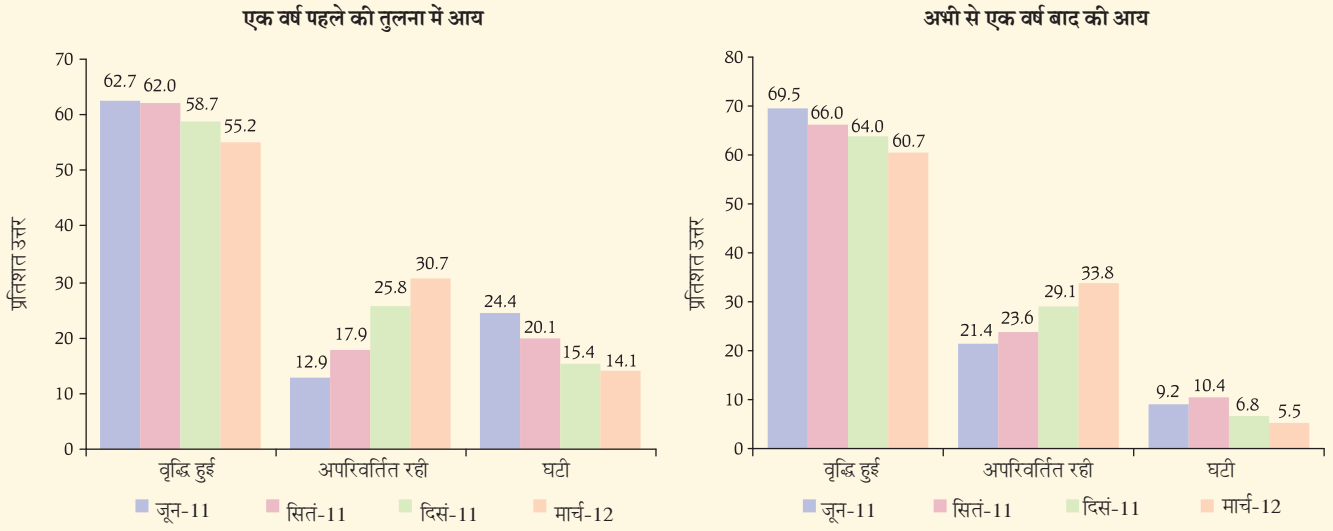

IV.3 आय

- आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने वर्तमान तथा भविष्य की आय में वृद्धि होने की बात कही; परंतु ऐसे उत्तरदाताओं के अनुपात में पिछले चार दौरों में क्रमशः गिरावट आई है (चार्ट 6)।
- लगभग एक तिहाई उत्तरदाताओं का विचार था कि उनकी आय अगले एक वर्ष तक यही रहेगी। ऐसा मानने वाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत में पिछली चार तिमाहियों में वृद्धि हुई है।
- वर्तमान तथा भविष्य की आय संबंधी निवल उत्तर में दिसंबर 2011 की तुलना में मार्च 2012 में मामूली गिरावट आई (चार्ट 7)।

IV.4 उपभोक्ताओं के खर्च

- लगभग तीन चौथाई उत्तरदाताओं ने पिछले वर्ष की तुलना में खर्च में वृद्धि होने की बात कही(चार्ट 8)।
- ऐसे उत्तरदाताओं के हिस्से में स्पष्ट गिरावट आई है जो अगले वर्ष खर्च में वृद्धि करना चाहते हैं। तथापि, ऐसे उत्तरदाताओं

चार्ट 7 : आय के संबंध में निवल उत्तर

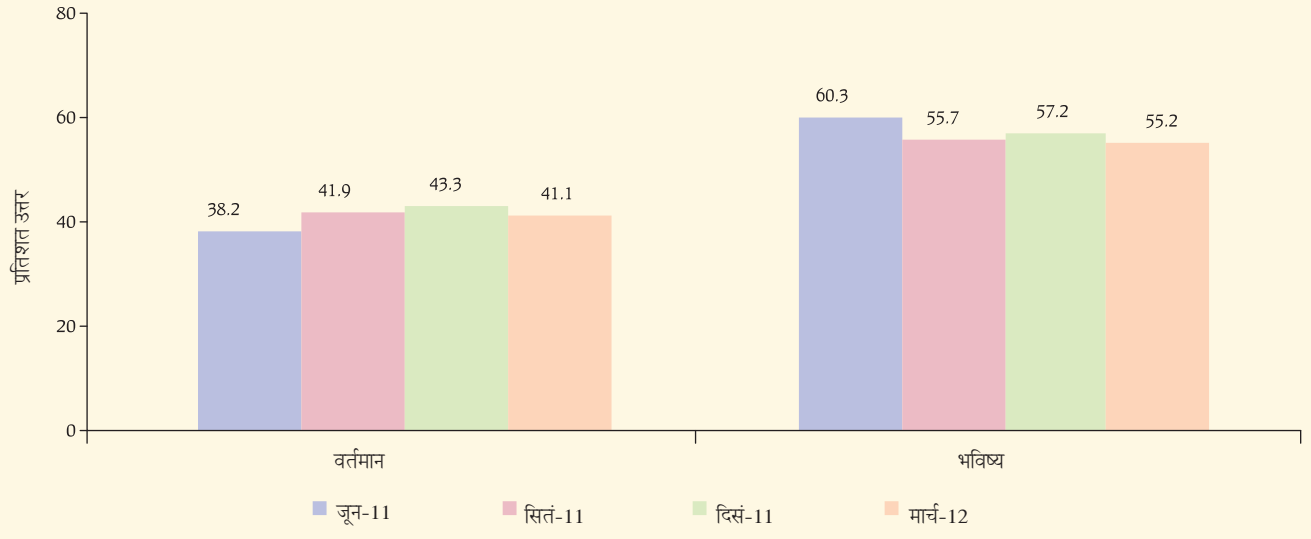

चार्ट 8: उपभोक्ताओं के खर्च संबंधी धारणा

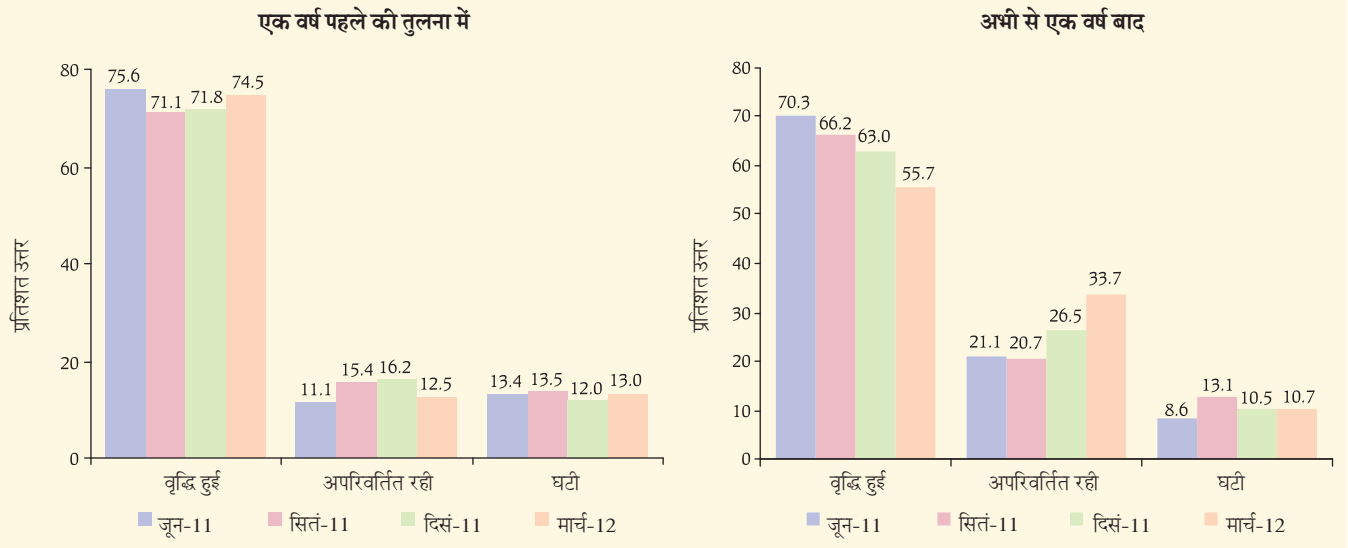

के हिस्से में तदनुरूप वृद्धि हुई है जो अगले वर्ष के खर्च को वर्तमान स्तर के समान बनाए रखना चाहते हैं।

- वर्तमान खर्च संबंधी धारणा के निवल उत्तर में एक वर्ष पहले की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है (चार्ट 9)। परंतु, भविष्य के खर्च संबंधी निवल उत्तर में तिमाहियों में गिरावट जारी रही है।
- जो उत्तरदाता खर्च में एक वर्ष पहले की तुलना में बदलाव (बेहतर/खराब) का अनुमान करते हैं उनमें से लगभग 69 प्रतिशत ने खर्च में बदलाव का मुख्य कारक 'उपभोक्ता वस्तुओं की लागत' को बताया (चार्ट 10)। खर्च में बदलाव के अन्य कारकों में 'सेवाओं की लागत', 'आय' तथा 'स्थावर संपदा पर व्यय' महत्त्वपूर्ण थे।

IV.5 मूल्य स्तर

- उत्तरदाताओं के 85 प्रतिशत का विचार था कि मूल्यों में वृद्धि अगले वर्ष भी जारी रहेगी। मार्च 2012 में ऐसे उत्तरदाताओं के अनुपात में दिसंबर 2011 की तुलना में गिरावट आई है जो यह मानते हैं कि वर्तमान का मूल्य स्तर अधिक है और भविष्य में इसमें वृद्धि होगी (चार्ट 11)।

चार्ट 9 : खर्च के संबंध में निवल उत्तर

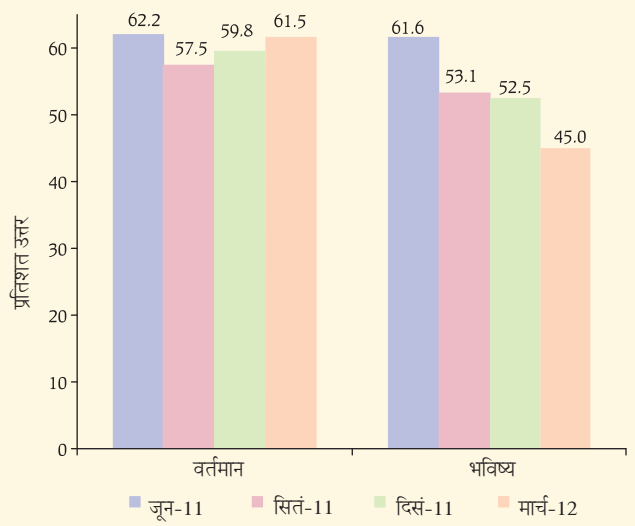

चार्ट 10 : खर्च को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक

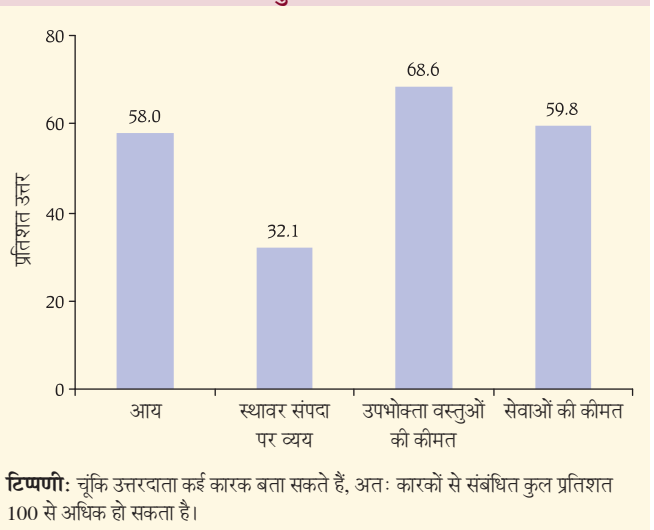

टिप्पणी: चूंकि उत्तरदाता कई कारक बता सकते हैं, अतः कारकों से संबंधित कुल प्रतिशत 100 से अधिक हो सकता है।

चार्ट 11: अर्थव्यवस्था के मूल्य स्तर के बारे में धारणा

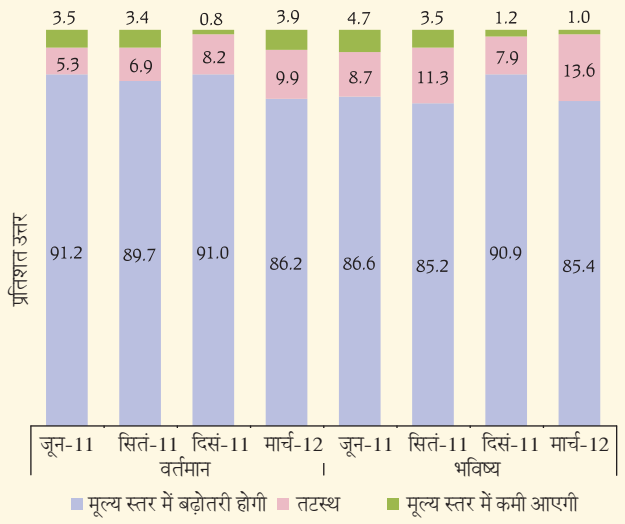

चार्ट 12 : मूल्य स्तर के संबंध में निवल उत्तर

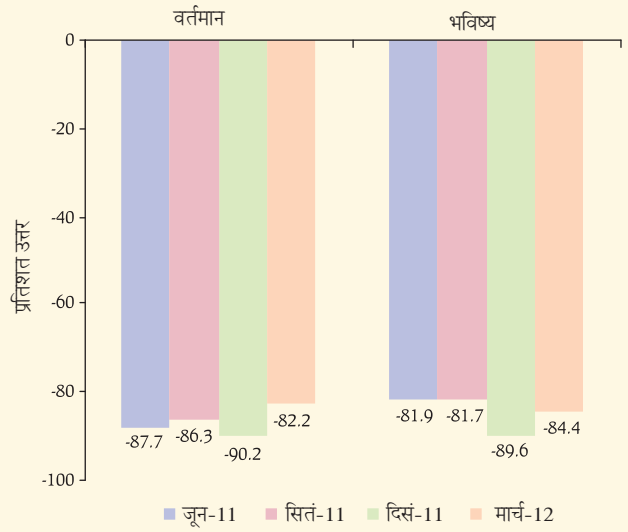

- वर्तमान तथा भविष्य की मूल्य स्तर के बारे में नकारात्मक धारणाओं में गिरावट आने के चलते मूल्य स्तरों से संबंधित निवल उत्तरों में सुधार हुआ (चार्ट 12)।

IV.6 अन्य समष्टि आर्थिक संकेतकों के संबंध में धारणा

IV.6.1 ब्याज दरें

- 80 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने रिपोर्ट किया कि उधारकर्ताओं की दृष्टि से वर्तमान ब्याज दरें अधिक हैं। केवल 16 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विचार था कि ब्याज दरें उचित हैं (चार्ट 13)।
- जमाकर्ताओं की दृष्टि से लगभग 77 प्रतिशत जमाकर्ताओं का विचार था कि दरें कम हैं। लगभग 20 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विचार था कि वर्तमान दरें उचित हैं (चार्ट 13)।

IV.6.2 रोजगार की स्थितियां

- भविष्य की रोजगार की संभावना के बारे में 'विशेष रूप से चिंतित नहीं' रिपोर्ट करने वाले उत्तरदाताओं का प्रतिशत

चार्ट 13 : उधारकर्ताओं और जमाकर्ताओं के विचार में वर्तमान ब्याज दर

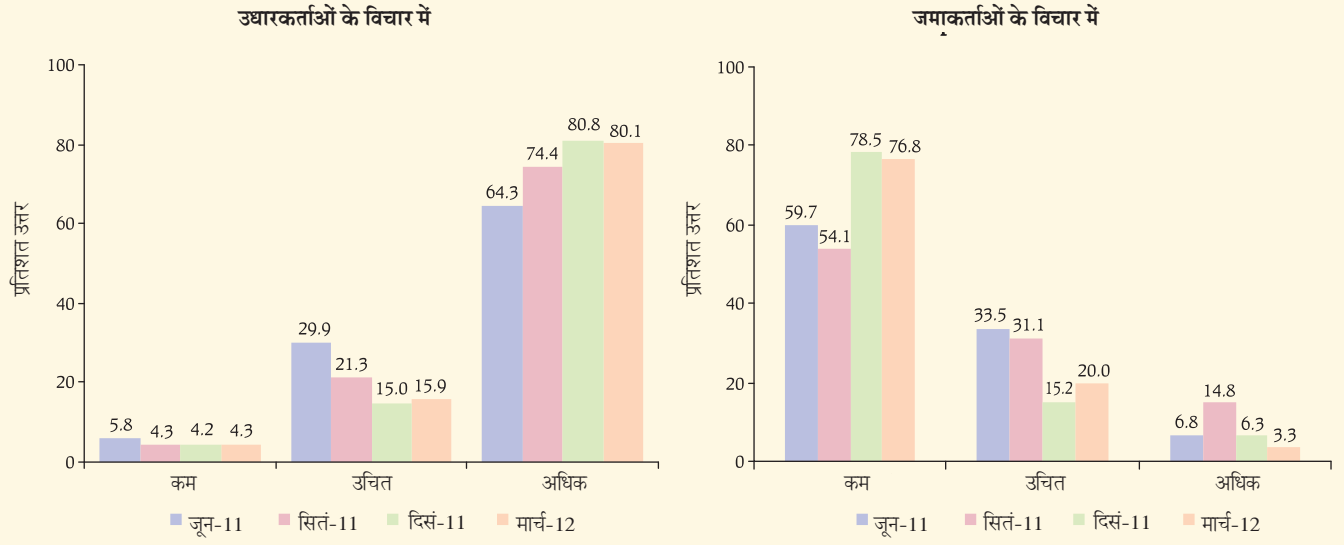

चार्ट 14 : रोजगार के संबंध में धारणा

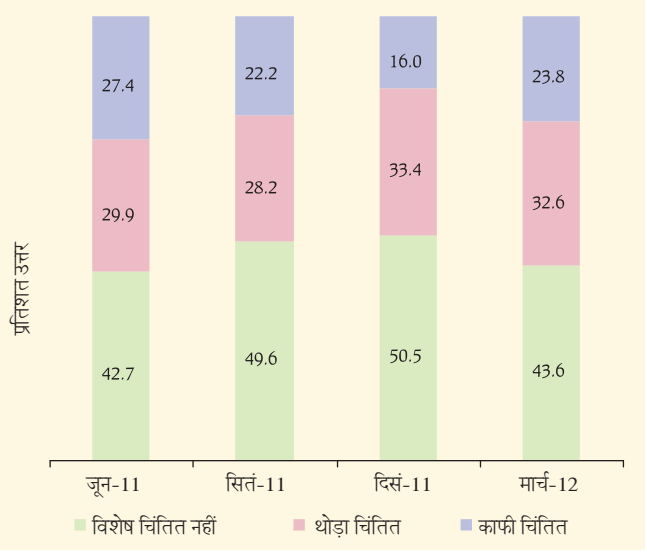

चार्ट 16 : रोजगार के संबंध में पेशा-वार धारणा

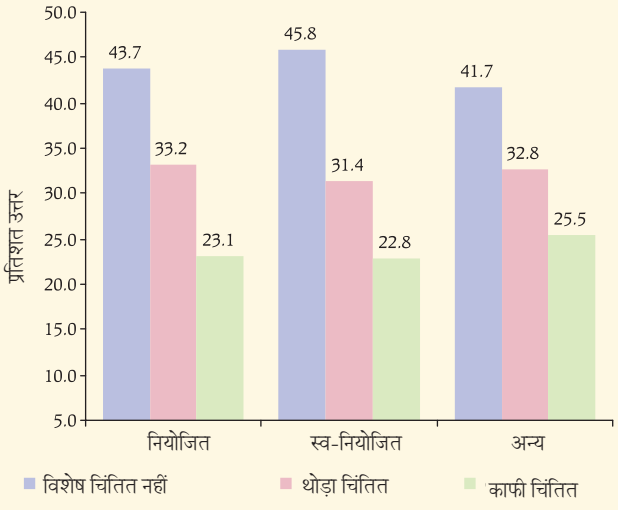

दिसंबर 2011 के 50 प्रतिशत से भी अधिक से घटकर मार्च 2012 में 43.6 प्रतिशत हो गया (चार्ट 14)।

- परंतु, रोजगार की संभावना के बारे में चिंतित उत्तरदाताओं का हिस्सा पिछले दौर के 16.0 प्रतिशत से बढ़कर 23.8 प्रतिशत हो गया। इसके फलस्वरूप, वर्तमान दौर में निवल उत्तर में काफी कमी आई (चार्ट 15)।
- नियोजित उत्तरदाताओं में से लगभग 44 प्रतिशत ने कहा कि वे 'विशेष रूप से चिंतित नहीं है' (चार्ट 16)।

IV.6.3 स्थावर संपदा के मूल्यों में भविष्य की गतिविधियां

- स्थावर संपदा की कीमतों में भविष्य में वृद्धि की उम्मीद रखने वाले उत्तरदाताओं का अनुपात दिसंबर 2011 के 83.6 प्रतिशत से घटकर मार्च 2012 में 77.9 प्रतिशत हो गया (चार्ट 17)।

IV.6.4 अर्थव्यवस्था की वृद्धि की क्षमता

- अधिकांश उत्तरदाताओं का विचार था कि अर्थव्यवस्था में दीर्घावधि में वर्तमान से अधिक दर पर बढ़ने की क्षमता है (चार्ट 18)।

चार्ट 15 : रोजगार के संबंध में निवल उत्तर

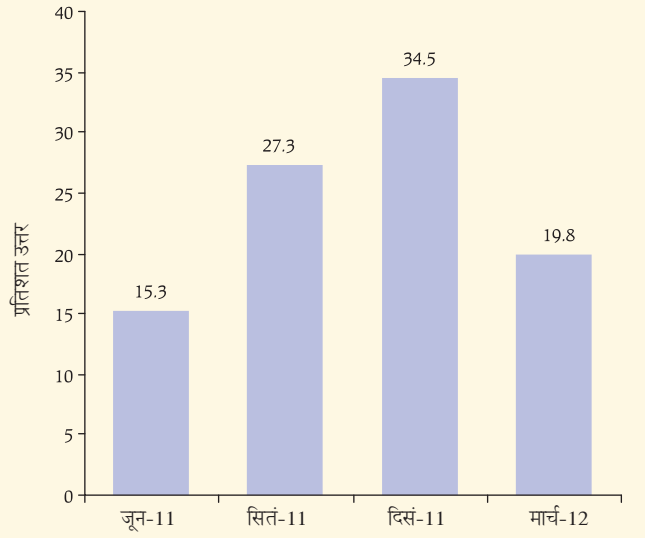

चार्ट : 17 स्थावर संपदा की कीमतों के संबंध में धारणा

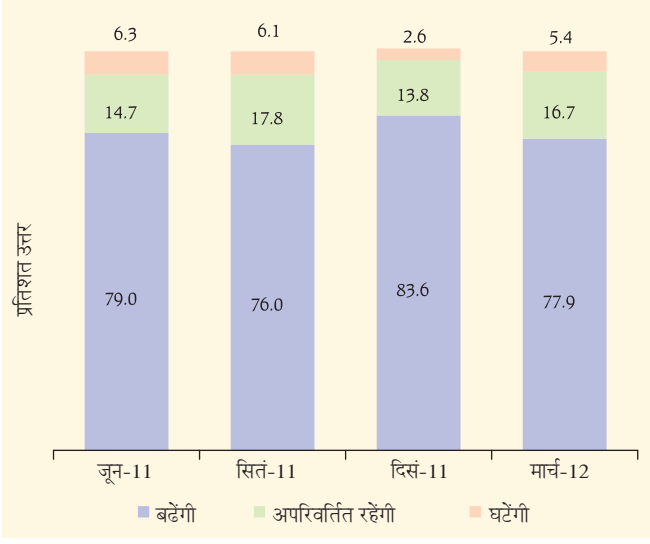

चार्ट 18: अर्थव्यवस्था की वृद्धि-क्षमता

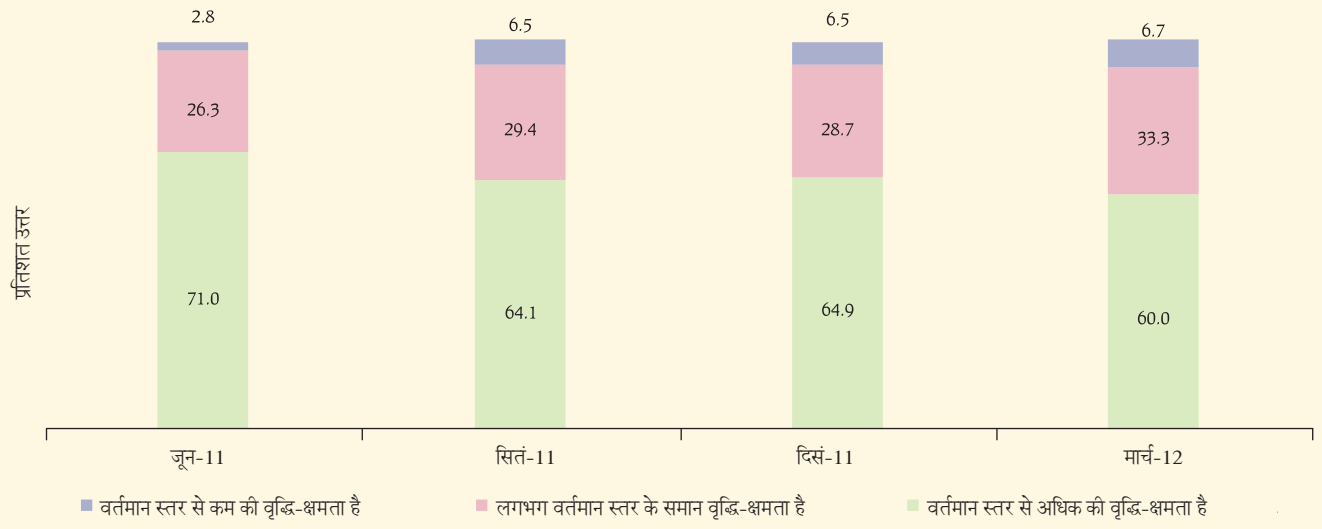

IV.7. वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक

- वर्तमान स्थिति सूचकांक, जिसे आर्थिक स्थितियों, घरेलू परिस्थितियों, आय, खर्च और मूल्य स्तर के आधार पर तैयार किया जाता है, पिछली तीन तिमाहियों में 114-116 के संकीर्ण दायरे में रहा (चार्ट 19)।
- समग्र वर्तमान स्थिति सूचकांक, मुख्य रूप से अर्थिक स्थितियों, घरेलू परिस्थितियों तथा आय संबंधी धारणा संबंधी संकेतकों में गिरावट आने के चलते मामूली घटकर 114.6 रह गया।
- आर्थिक स्थितियों, आय, खर्च, मूल्य स्तर तथा रोजगार की भविष्य की संभावना पर आधारित भावी प्रत्याशा सूचकांक दिसंबर 2011 के 120.2 से स्पष्ट रूप से घटकर मार्च 2012 में 115.5 हो गया (चार्ट 20)।
- समग्र भावी प्रत्याशा सूचकांक में मुख्य रूप से आर्थिक स्थितियों, रोजगार की भविष्य की संभावना तथा खर्च में गिरावट आने के चलते कमी आई।

चार्ट 19: वर्तमान स्थिति सूचकांक

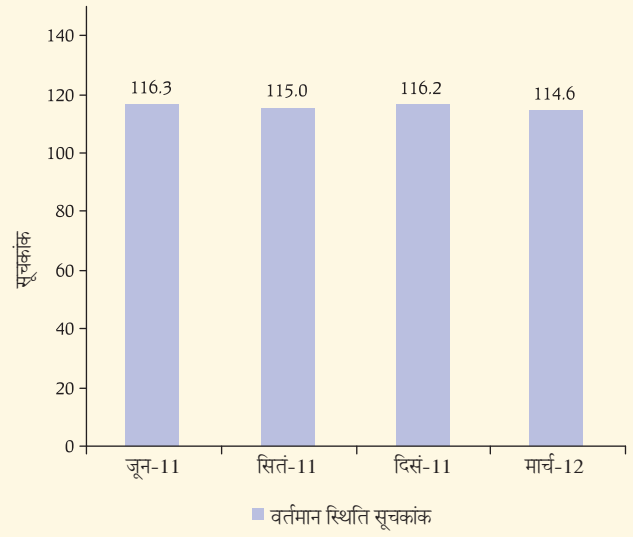

चार्ट 20: भावी संभावनाओं का सूचकांक